साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 । अंक : 52 | गोंदिया : गुरुवार, 5 से 11 अगस्त 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

कुशल नेतृत्व

राष्ट्रवादी
काँग्रेस पार्टी

प्रेरणास्त्रोत

मार्गदर्शक

मा.राजेन्द्र जैन

(पूर्व विधायक)

आपको जन्मदिवस पर

- हार्दिक -
शुभकामनाएँ

एवम्

सैंकड़ों समर्थकों के साथ

सचिन गोविंदभाऊ शेंडे

(नगर सेवक, न.प.गोंदिया)

के

8 AUG

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी
में प्रवेश पर

हार्दिक बधाईयां...

बबनभाऊ शेंडे
पूर्व उपाध्यक्ष, न.प.गोंदिया

खेमराजभाऊ शेंडे

प्रवेश कार्यक्रम : रविवार, दि. ८ अगस्त २०२१ । संध्या ५.00 बजे
श्री नारायण लॉन, मरारटोली, गोंदिया

संपादकिय

उत्पीड़न के ठिकाने

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि जिस दौर में समाज, देश और दुनिया आधुनिकता और तरक्की के नए सफर पर है, उसमें भी स्त्रियों को आम लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न से मुक्ति नहीं मिल पा रही है। जबकि घर की चारदिवारी से लेकर बाहर और कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन शोषण और उत्पीड़न से सुरक्षा देने के लिए कई कानून बने हुए हैं। इसके बावजूद न केवल गली-मुहल्लों, बस्तियों और शहरों में स्त्रियां अपने लिए अपने सुरक्षित माहौल नहीं पातीं, बल्कि यह हालत संगठित तौर पर कामकाज की जगहों पर भी बनी हुई है।

हालांकि सरकार ने इस समस्या की रोकथाम के लिए अलग-अलग स्तर पर तंत्र विकसित किया है, लेकिन स्त्रियों के प्रति आपराधिक मानसिकता पर काबू पाने में कामयाबी नहीं मिल सकी है। गुरुवार को महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी कि विभिन्न मंत्रालयों से महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कुल तीन सौ इक्यानबे शिकायतें मिली हैं। देश भर में महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के समांतर मंत्रालय की एक अलग व्यवस्था के तहत सामने आए ये आंकड़े समस्या की जटिलता को दर्शाते हैं।

गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति भेदभाव और लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के पंजीकरण सुविधा देने के लिए एक ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन तंत्र विकसित किया है। इसे **शी-बॉक्स** यानी लैंगिक उत्पीड़न इलेक्ट्रॉनिक बॉक्स के नाम से जाना जाता है, जिसमें महिलाएं अपने साथ हुई ऐसी घटना की शिकायत दर्ज करा सकती हैं। शी-बॉक्स में आई शिकायतों के विश्लेषण से पता चलता है कि इसमें यौन उत्पीड़न के मामलों के अलावा महिलाओं के खिलाफ हिंसा, दहेज के लिए यातना के ब्योरे के अलावा सुझाव भी शामिल हैं।

यानी कहा जा सकता है कि एक संगठित तंत्र में भी महिलाओं को अपने खिलाफ व्यवहार, पूर्वाग्रहों आदि से राहत नहीं मिल पा रही है। इसके समांतर आम जगहों और समाज में महिलाओं को किन स्थितियों का सामना करना पड़ता है, इससे संबंधित तमाम खबरें यह बताने के लिए काफी हैं। सवाल है कि आखिर किन वजहों से स्त्रियों के प्रति हमलावर और कुंठित मानसिकता रखने वाले लोग नियम-कायदे और कानून की भी परवाह नहीं करते।

दरअसल, विकास के चमकते पैमानों के दायरे से ये बातें गायब दिखती हैं कि लोगों के सोचने-समझने, अपने पूर्वाग्रहों और कुंठाओं से मुक्ति पाने और खुद को ज्यादा सभ्य बनाने के पहलू आज भी परंपरागत रुप में कायम हैं। क्या वक्त के साथ आगे बढ़ते समाज में अर्थव्यवस्था केंद्रित विकास की बातें ही सारी मुश्किलों का हल निकाल सकती हैं? अगर एक समाज आर्थिक रुप से मजबूत हो भी जाए, लेकिन उसके सोचने-समझने के मूल्य अलग-अलग वर्गों के खिलाफ सामंती पूर्वाग्रहों से तय होते हों तो इसके कैसे नतीजे सामने आएंगे। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे यहां पैदा होने के बाद से ही बेटे को पितृसत्तात्मक मानस के माहौल में विकसित किया जाता है और इस क्रम में उसके भीतर स्त्रियों के खिलाफ भेदभाव से लेकर यौन-उत्कंठा से लैस सोच भी गहरे पैठती जाती है।

इसके बाद अलग-अलग जगहों पर मौका पाते ही उसकी कुंठाएं फूटती रहती हैं। निश्चित तौर पर इस पर लगाम लगाने के लिए सख्त कानून सबसे जरुरी उपाय हैं, लेकिन अहम यह भी है कि पुरुषों के सोचने-समझने के मनोविज्ञान को केंद्र में रख कर सामाजिक विकास नीतियों पर भी काम किया जाए, ताकि स्त्रियों को ऐसी कुंठा और मानसिक विकृति से संचालित व्यवहारों और अपराधों से मुक्ति मिल सके।

कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए स्वास्थ्य यंत्रणा की क्षमता को बढ़ाएं - विभागीय आयुक्त

कोविड-१९ की समीक्षा, जीएमसी, ऑक्सीजन प्लांट को दी भेंट, चिकित्सालयो का करें फायर ऑडीट

गोंदिया जिले में दौरे पर आयी नागपुर विभाग के विभागीय आयुक्त प्राजक्ता लवंगारे द्वारा विभिन्न विषयों पर समीक्षा सभा ली। जिस में प्रशासन को निर्देश दिया कि कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की क्षमता को बढ़ाया जाए तथा मेडिकल कॉलेज ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण कर चिकित्सालयों के फायर ऑडीट करने का आदेश दिया।

गौरतलब है कि विभागीय आयुक्त का पदभार स्वीकार करने के पश्चात विभागीय आयुक्त प्राजक्ता लवंगारे का गोंदिया जिले का यह प्रथम दौरा था। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विषयों की समीक्षा सभा लेकर प्रशासन की यंत्रणा को चुस्त दुरुस्त करने का निर्देश दिया। जिसमें कोरोना की तीसरी लहर को देखते हुए स्वास्थ्य यंत्रणा की क्षमता को बढ़ाने का निर्देश दिया। साथ ही ऑक्सीजन प्लांट, जिला क्रीड़ा संकुल के कोविड सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सालय के फायर, इलेक्ट्रिकल, वर्क स्ट्रक्चर का ऑडीट करने का निर्देश चिकित्सालय प्रशासन को दिया। चिकित्सालय की सभी यंत्रणा चुस्त दुरुस्त है कि नहीं इसके लिए समय-समय पर मॉकड्रिल करने का भी निर्देश दिया।

आयोजित समीक्षा सभा में उन्हें जानकारी दी गई, कि जिले में कोविड सेंटरो में ९२२ बिस्तर उपलब्ध है। जिसमें से ३२५ बेड ऑक्सीजन युक्त है। जिला क्रीड़ा संकुल में १०० बिस्तरों का डेडीकेटेड कोविड हॉस्पिटल का निर्माण किया गया है। साथ ही टीकाकरण में जिले का कार्य उत्कृष्ट है। जिले में कोविशिल्ड के ३८८०२०, कोवैक्सीन के २२३२१० इस प्रकार ६११२३० डोज प्राप्त हुए हैं। जिसमें अब तक ५७५८५८ व्यक्तियों द्वारा टीका लिया गया है। जिसमें पहला डोज लेने वाले लाभार्थियों की संख्या ४५७५७९ तथा दूसरा डोस लेने वाले लाभार्थियों की संख्या ११८२८८ है। जिले में वर्तमान स्थिति में क्रियाशील मरीज १०, जिले का पॉजिटिव रेट ०.१९ प्रतिशत तथा रिकवरी रेट ९८.२३ प्रतिशत है। तीसरी लहर की तैयारी के अंतर्गत पेडियाट्रिक वार्ड भी तैयार किया गया है। शासन के दिशा निर्देश अनुसार तीसरी लहर की तैयारियों के लिए सभी स्वास्थ्य व्यवस्था को तैयार किया गया है। ऑक्सीजन प्रकल्प के निर्माण पर अधिक जोर दिया जा रहा है। साथ ही ऑक्सीजन के बेड बढ़ाने का नियोजन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग में कुशल मनुष्य बल की आवश्यकता बड़े प्रमाण पर होने के चलते इसके लिए शासन मांग की गई है। इस प्रकार की जानकारी जिला शल्य चिकित्सक व स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा दी गई। इस दौरान कोरोना काल में आशा वर्करों द्वारा उत्कृष्ट कार्य किए जाने की जानकारी जिप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप डांगे द्वारा दी गई। आशा वर्करों द्वारा सभी स्थानों पर उत्कृष्ट कार्य किए जाने पर आशा वर्कर सही अर्थों में कोरोना योद्धा हैं ऐसा श्रीमती लवंगारे ने कहते हुए कहा कि आशा वर्करों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करें।

आयोजित सभा में जिलाधिकारी नयना गुंडे, जिप के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे, जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, जिला शल्य चिकित्सक डॉ. अमरीश मोहबे, मेडिकल कॉलेज के डीन नरेश तिरपुड़े जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नितिन कापसे, जिला क्रीड़ा अधिकारी घनश्याम राठौड़ व विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : पढ़ाई में कोई दूसरों की मदद से फायदा होगा। परिवार के किसी विवाह योग्य सदस्य के लिए जोड़ीदार की तलाश सफल होगी। कार्यक्षेत्र में अपने काम की प्राथमिकता तय करनी होगी। शानदार कमाई के अवसर से आर्थिक स्तर में सुधार आएगा।

वृषभ : कोई नया काम सीखना प्रोफेशनल क्षेत्र में आपका महत्व बढ़ा सकता है। अच्छी जगह निवेश करने के कारण आप वित्तीय स्तर पर सुरक्षित महसूस करेंगे। किसी ऐसे इंसान को जिसे आप पहले नापसंद करते थे, अब उसकी तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा सकते हैं।

मिथुन : लव लाइफ में मधुरता बनी रहेगी। नया वाहन खरीदने की संभावना है। आप में से कुछ लोगों के विदेश जाने की संभावना है। किसी की मीठी बातों में फंसने से बचें। आपको किसी संदेहास्पद स्कीम में फंसाए जाने की आशंका है।

कर्क : किसी सामाजिक समारोह में जमकर मस्ती करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक स्तर पर आप पहले से मजबूत स्थिति में रहेंगे। कार्यक्षेत्र में नया सीख रहे हैं, उन्हें फायदा मिलने वाला है। अच्छा काम करने का परिणाम एक अच्छे प्रोजेक्ट के रुप में मिलने की उम्मीद है।

सिंह : फिजूलखर्ची पर रोक लगायें। जंक फूड के प्रति आपका लगाव सेहत पर भारी पड़ सकता है। जो इंसान जबरदस्ती आपका बॉस बनने का प्रयास कर रहा है, उसे उसकी सही जगह दिखाने में सफल रहेंगे। बुजुर्ग की बातों पर ध्यान देने का फायदा मिल सकता है।

कन्या : प्रेम संबंध को लेकर गंभीर होंगे। पैसे को लेकर कोई दिक्कत नहीं रहेगी। दोस्तों के साथ ट्रिप पर जाने की संभावना है। प्रोफेशनल क्षेत्र में स्थिति आपके अनुकूल रहेगी, कुछ बेहतर करने की उम्मीद है। संस्था या कंपनी को रिप्रेजेंट करने का मौका मिल सकता है।

तुला : किसी निवेश में पैसा लगाने से अच्छा मुनाफा मिलने के संकेत हैं। परिवार के बुजुर्ग को अपने पक्ष में लाने में सफल रहेंगे। निजी और प्रोफेशनल दोनों ही स्तरों पर स्थिति आपके अनुकूल रहगी। किसी की सलाह से आपको आर्थिक क्षेत्र में फायदा होने की उम्मीद है।

वृश्चिक : करियर के लिए फायदेमंद का बनाकर रखें। पूर्व के निवेश से आने वाले रिटर्न से आर्थिक स्थिति रहेगी। नई दोस्ती होने की संभावना है। आपको जॉब में नए लोगों को सही ढंग से ढलने के लिए किसी की मदद की जरुरत पड़ने वाली है।

धनु : किसी बड़े ऑर्गेनाइजेशन में जॉब मिलने की उम्मीद है। प्रेमी से दिल की बात रखने के लिए अनुकूल समय है। दोस्तों के साथ वेकेशन प्लान करने का के लिए अनुकूल समय है, आगे बढ़ें। पढ़ाई के क्षेत्र में आने वाली सभी प्रतियोगिता में अच्छा कर सकते हैं।

मकर : आपके स्वभाव और अच्छे व्यवहार की वजह से आपकी तारीफ होने वाली है। लंबी यात्रा पर जाने वालों का सफर शानदार रहेगा। पढ़ाई के क्षेत्र में अपेक्षा से भी बड़ी सफलता मिलने की उम्मीद है। आमदनी का जरिया बढ़ने से आर्थिक स्तर में सुधार हो सकता है।

कुंभ : सामाजिक क्षेत्र में आपकी शोहरत बढ़ने की संभावना है। पढ़ाई के क्षेत्र में मनपसंद विषय चुनने में सफल रहेंगे। खास प्रॉपर्टी खरीदने के इच्छुक लोगों का सपना पूरा होने वाला है। किसी से हाल ही में हुई मुलाकात प्यार में बदल जाने के संकेत हैं।

मीन : यदि कार्यक्षेत्र में अलग-थलग नहीं पड़ना चाहते हैं तो आपको अपने काम की गति बढ़ानी होगी। प्रोफेशनल प्रतिद्वंद्वी आपके काम में दखलअंदाजी कर सकते है। अच्छी आमदनी से फिजूलखर्ची बढेगी। सामाजिक क्षेत्र के केंद्र में आना किसी को नापसंद हो सकता है।

श्रावण मास : सावन सोमवार

चैत्र के पांचवे महीने को सावन का महीना कहा जाता है। इस माह के सभी दिन धार्मिक दृष्टिकोण से बहुत महत्व रखते हैं। गहराई से समझा जाए तो इस माह का प्रत्येक दिन एक त्यौहार की तरह मनाया जाता है।

सावन को साल का सबसे पवित्र महीना माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस माह का प्रत्येक दिन किसी भी देवी-देवता की आराधना करने के लिए सबसे उपयुक्त होता है, विशेष तौर पर इस माह में भगवान शिव, माता पार्वती और श्रीकृष्ण की आराधना की जाती है।

ऐसा कहा जाता है कि जिस तरह इस माह में कीट-पतंगे अपनी सक्रियता बढ़ा देते हैं, उसी तरह मनुष्य को भी पूजा-पाठ में अपनी सक्रियता को बढ़ा देनी चाहिए। यह महीना बारिशों का होता है, जिससे कि पानी का स्तर बढ़ जाता है। मूसलाधार बारिश नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए शिव पर जल चढ़ाकर उन्हें शांत किया जाता है।

महाराष्ट्र में जलस्तर को सामान्य रखने की एक अनोखी प्रथा विद्यमान है। वे सावन के महीने में समुद्र में जाकर नारियल अर्पण करते हैं ताकि किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं पहुंच पाए। एक पौराणिक कथा धार्मिक हिन्दू दस्तावेजों में मौजूद है जिसके अनुसार समुद्र मंथन के दौरान निकले विष का पान करने से भगवान शिव के शरीर का तापमान तेज गति से बढ़ने लगा था। ऐसे में शरीर को शीतल रखने के लिए भोलेनाथ ने चंद्रमा को अपने सिर पर धारण किया और अन्य देव उन पर जल की वर्षा करने लगे। यहां तक कि इन्द्रदेव भी यह चाहते थे कि भगवान शिव के शरीर का तापमान कम हो जाए इसलिए उन्होंने अपने तेजी से मूसलाधार बारिश कर दी। इस वजह से सावन के महीने में अत्याधिक बारिश होती है, जिससे भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं।

सावन का महीना जिसमें भगवान शंकर की कृपा से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। यूं तो भगवान शंकर की पूजा के लिए सोमवार का दिन पुराणों में निर्धारित किया गया है। लेकिन पौराणिक मान्यताओं में भगवान शंकर की पूजा के लिए सर्वश्रेष्ठ दिन महाशिवरात्रि, उसके बाद सावन के महीने में आनेवाला प्रत्येक सोमवार, फिर हर महीने आनेवाली शिवरात्रि और सोमवार का महत्व है। पर सावन के महीने की तो विशेष मान्यता है।

क्या है सावन की मान्यता

ऐसी मान्यता है कि प्रबोधनी एकादशी (सावन के प्रारंभ) से सृष्टि के पालनकर्ता भगवान विष्णु सारी जम्मिदारियों से मुक्त होकर अपने दिव्य भवन पाताललोक में विश्राम करने के लिए निकल जाते हैं और अपना सारा कार्यभार महादेव को सौंप देते है। भगवान शिव पार्वती के साथ पृथ्वी लोक पर विराजमान रहकर पृथ्वीवासियों के दु:ख-दर्द को समझते है एवं उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं, इसलिए सावन का महीना खास होता है।

शिव को सावन ही क्यों प्रिय है?

महादेव को श्रावण मास वर्ष का सबसे प्रिय महीना लगता है क्योंकि श्रावण मास में सबसे अधिक वर्षा होने के आसार रहते हैं, जो शिव के गर्म शरीर को ठंडक प्रदान करता है। भगवान शंकर ने स्वयं सनतकुमारों को सावन महीने की महिमा बताई है कि मेरे तीनों नेत्रों में सूर्य दाहिने, बांएं चन्द्र और अग्नि मध्य नेत्र है। हिन्दू कैलेण्डर में महीनों के नाम नक्षत्रों के आधार पर रखे गयें हैं। जैसे वर्ष का पहला माह चैत्र होता है, जो चित्रा नक्षत्र के आधार पर पड़ा है, उसी प्रकार श्रावण महीना श्रवण नक्षत्र के आधार पर रखा गया है। श्रवण नक्षत्र का स्वामी चन्द्र होता है। चन्द्र भगवान भोलेनाथ के मस्तक पर विराज मान है। जब सूर्य कर्क राशि में प्रवेश करता है, तब सावन महीना प्रारम्भ होता है। सूर्य गर्म है एवं चन्द्र ठण्डक प्रदान करता है, इसलिए सूर्य के कर्क राशि में आने से झमाझम बारिश होती है। जिसके फलस्वरुप लोक कल्याण के लिए विष को ग्रहण करने वाले देवों के देव महादेव को ठण्डक व सुकून मिलता है। शायद यही कारण है कि शिव का सावन से इतना गहरा लगाव है।

क्या कहती है पौराणिक कहावत

पुराणों और धर्मग्रंथों को उठा कर देखें तो भोले बाबा की पूजा के लिए सावन के महीने की महिमा का अत्याधिक महत्व है। इस महीने में ही पार्वती ने शिव की घोर तपस्या की थी और शिव ने उन्हें दर्शन भी इसी माह में दिए थे। तब से भक्तों का विश्वास है कि इस महीने में शिवजी की तपस्या और पूजा पाठ से शिवजी जल्द प्रसन्न होते हैं और जीवन सफल बनाते हैं।

१६ सोमवार के व्रत से जुड़ी कथा

एक बार सावन के महीने में अनेक कृषि क्षिप्रा नदी में स्नान कर उज्जैन के महाकाल शिव की अर्चना करने हेतु एकत्र हुए। तब एक अभिमानी वेश्या भी अपने कुत्सित विचारों से कृषियों को धर्मभ्रष्ट करने चल पड़ी। किंतु वहां पहुंचने पर कृषियों के तपबल के प्रभाव से उसके शरीर की सुगंध लुप्त हो गई। वह आश्चर्यचकित होकर अपने शरीर को देखने लगी। उसे लगा, उसका सौंदर्य भी नष्ट हो गया। उसकी बुद्धि परिवर्तित हो गई। उसका मन विषयों से हट गया और भक्ति मार्ग पर बढ़ने लगा। उसने अपने पापों के प्रायश्चित हेतु कृषियों से उपाय पूछा, वे बोले- तुमने सोलह श्रृंगारों के बल पर अनेक लोगों का धर्मभ्रष्ट किया, इस पाप से बचने के लिए तुम सोलह सोमवार व्रत करो और काशी में निवास करके भगवान शिव का पूजन करो। वेश्या ने ऐसा ही किया और अपने पापों का प्रायश्चित कर शिवलोक पहुंची। ऐसा माना जाता है कि सोलह सोमवार के व्रत से कन्याओं को सुंदर पति मिलते हैं तथा पुरुषों को सुंदर पत्नियां मिलती हैं। बारह महीनों में विशेष है श्रावण मास, इसमें शिव की पूजा करने से प्राय: सभी देवताओं की पूजा का फल मिल जाता है।

श्रावण के महीने में कुछ लोग सप्ताह के एक दिन उपवास रखते हैं, कुछ लोग पूरे महीने उपवास रखते हैं... कुछ लोग विशेष रुप से सोमवार को मनाते हैं... लेकिन, वे यह व्रत क्यों करते हैं? आज हम इसी सवाल का जवाब जानने जा रहे हैं... सोमवार को भगवान शिव का दिन के रुप में समझा जाता है। कई महिलाएं और अविवाहित लड़कियां भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए सोमवार का व्रत रखती हैं। देवताओं के देवता हैं महादेव.... श्रावण के महीने में भारत के हर मंदिर में हम हर हर महादेव का घोष सुनते हैं। श्रावण में हर सोमवार को सभी महादेव मंदिरों में महादेव की विशेष तरीके से पूजा की जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हिंदू शास्त्रों में श्रावण के महीने में शिव और पार्वती की पूजा का महत्व बहुत बताया गया है। श्रावण मास में भगवान शिव की आराधना अत्यंत फलदायी मानी जाती है। इसका एक कारण यह भी है कि श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना का महीना कहा जाता है।

श्रवण की कथा

देवी सती ने योगबल से अपने पिता दक्ष के घर में अपने शरीर का बलिदान कर दिया था। इससे पहले देवी सती ने शंकर को हर जन्म में पति रुप में पाने का संकल्प लिया था। देवी सती ने अपन दूसरा जन्म पार्वती नाम लिया और राजा हिमाचल और रानी मैना के घर एक बेटी के रुप में पैदा हुई। पार्वती ने श्रावण मास में व्रत किया, उपवास किया और महादेव को प्रसन्न किया और विवाह किया। उसके बाद श्रावण का महीना महादेव के लिए खास हो गया। इसलिए श्रावण मास में कुंवारियां सुयोग की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं।

श्रावण शब्द श्रवण से बना है। इसका अर्थ है सुनकर धर्म को समझना। यह महीना संतों और भक्ति के लिए है। पुराणों में श्रावण मास और श्रावण मास के बारे में बहुत कुछ बताया गया है।

पुराणों में भगवान परशुराम की कथा

भगवान महादेव की पूजा भगवान परशुराम ने की थी। ऐसा कहा जाता है कि उसी महीने में, भगवान परशुराम ने अपने आराध्य देवता भगवान महादेव की नियमित रुप से पूजा की थी। उसने अपने कुएं के जल से उनका अभिषेक किया था। इसलिए कावड़ी का अभ्यास करने वाले भगवान परशुराम की यह पूजा इसी श्रावण मास में की जाती है। भगवान परशुराम हर सोमवार को श्रावण में श्रावण सोमवार कावड़ी से जल लाकर जल से अभिषेक करके भगवान शिव की पूजा करते थे। श्रावण सोमवार भगवान शिव को अधिक प्रिय है। कहा जाता है कि श्रावण मास में पूजा और उपवास का महत्व भगवान परशुराम के कारण शुरु हुआ था। पार्वती ने अपनी युवावस्था में कठिन उपवास करके महादेव को प्रसन्न किया। वह महीना था श्रावण मास। बाद में उन्होंने शादी कर ली। इसलिए श्रावण मास का महत्व अधिक हो गया है।

पुराणों में एक और कथा

पुराणों में ऐसी कथा है। जब कुमारा ने महादेव से पूछा कि आपको श्रवण सोमवार क्यों पसंद है? तब महादेव ने सनतकुमार से कहा कि, देवी सती जब उनके पिता दक्ष ने योग शक्ति से अपने घर में देह त्याग दी थी। देवी सती ने पहले महादेव की पूजा की थी और उन्हें प्रसन्न किया था और हर जन्म में उनके पति होने का वादा किया था। अपने दूसरे जन्म में, सती ने पार्वती के रुप में जन्म लिया और वह राजा हिमाचलरानी मैना के घर पार्वती के रुप में पैदा हुई।

इस कारण से सोमवार के दिन श्रावण व्रत करते हैं

हिंदू धर्म में श्रावण को चातुर्मास के सर्वोत्तम महीने के रुप में अधिक महत्व दिया जाता है। और श्रावण सोमवार को अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस महीने के सभी त्योहारों का विशेष महत्व है। और श्रावण में सोमवार को ईमानदारी से मनाया जाता है। लेकिन क्या आप इस श्रावण सोमवार के बारे में जानते हैं?

श्रावण मास के सोमवार को श्रावण सोमवार को शिव के पांच मुखों का प्रतीक माना जाता है। महादेव के पंचमुख को पंचमहाभूतों का प्रतीक माना जाता है। उनके दस हाथ दस दिशाओं को इंगित करने वाले माने जाते हैं। और उन हाथों में हथियार को दुनिया की सुरक्षा के लिए माना जाता है। जिस प्रकार श्रावण मास में सोमवार का महत्व है, उसी प्रकार महादेव का पंचमुख भी महत्वपूर्ण है। अनेक विद्वानों का कहना है कि- महादेव के ये पांच मुख सृष्टि, पद, लय, अनुग्रह और ज्ञान की रचना करने वाली इन पांच शक्तियों के चिन्ह हैं।

क्योंकि ये पंच मुख हमें दिशाओं का ज्ञान देते हैं

पूर्व की ओर मुख दृष्टि, दक्षिण मुख स्थिति, पश्चिम मुख प्रलय, उत्तर मुख कृपा अनुग्रह का मुख, उर्ध्वमुखी मुख ज्ञान का प्रतीक हैं।

बाढ़ की परिस्थिति में आपदा प्रबंधन विभाग की जरुरतमंदों को मिले तत्काल मदद - विभागीय आयुक्त प्राजक्ता लवंगारे

गोंदिया – नागपुर विभाग की विभागीय आयुक्त प्राजक्ता लवंगारे वर्मा का ३० जुलाई को गोंदिया जिले का आयोजित प्रथम दौरा कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी कार्यालय में जिला आपदा प्रबंधन विभाग के नियंत्रण कक्ष को भेट देकर बाढ़ की स्थिति, सुरक्षा व बचाव सामग्री का निरीक्षण कर जानकारी प्राप्त की तथा निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष २४/७ शुरु रखा जाए। बाढ़ की परिस्थिति में आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से आपदाग्रस्त नागरिकों को तत्काल मदद पहुंचाई जाए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे ने जिले की बाढ़ की परिस्थिति के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि जिले के ९६ ग्रामों में बाढ़ का संभावित खतरा बना रहता है। गोदिया व तिरोडा तहसील के वैनगंगा नदी किनारे स्थित संभावित १९ ग्रामों में आपदा की तीव्रता को कम करने के लिए अंतर्राज्यीय बाढ़ नियंत्रण समिति के माध्यम से मध्यप्रदेश राज्य के सिवनी, छिंदवाड़ा, बालाघाट तथा महाराष्ट्र राज्य के गोंदिया, भंडारा, गड़चिरोली, चंद्रपुर, नागपुर जिलों में समन्वय कर महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाई जा रही है। बाढ़ नियंत्रण के लिए अंतर्राज्यीय बाढ़ नियंत्रण वाट्सएप ग्रुप बनाया गया है। इस ग्रुप में दोनो राज्यों के महत्वपूर्ण अधिकारियों का समावेश कर जन व वित्तीय हानि के असर को कम करने की उपाय योजना की जा रही है। विभागीय आयुक्त लवंगारे द्वारा जिला आपदा प्रबंधन विभाग के शोध व बचाव पथक द्वारा बाढ़ की स्थिति के दौरान किए जाने वाले कार्य, नागरिकों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, उपाय योजना तथा बाढ़ की स्थिति के दौरान राहत व बचाव कार्यों में लगने वाली लाइफ जैकेट, बोट, इमरजेंसी लाइट, ओबीएम मशीन, घरेलू वस्तुओं से तैयार किए गए प्रलीटिंग डिवाइस आदि सामग्री की जानकारी लेकर जिला प्रशासन व जिला आपदा व्यवस्थापन विभाग के शोध व बचाओ पथक की सराहना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी नयना गुंडे, अपर जिलाधिकारी राजेश खवले, निवासी उपजिलाधिकारी जयराम देशपांडे, आपदा व्यवस्थापन अधिकारी राजन चौबे तथा आपदा प्रबंधन विभाग पथक के सदस्य उपस्थित थे।

ब्रेक द चैन निर्बंध से मिली राहत

आवश्यक सेवा सोम से शुक्रवार रात ८ बजे तक तथा शनि व रविवार को ३ बजे तक शुरु, अन्य प्रतिष्ठान रविवार को रहेंगे बंद

गोंदिया – ब्रेक द चैन अभियान के अंतर्गत गोंदिया की जिलाधिकारी नयना गुंडे द्वारा ३ अगस्त को जारी किए गए आदेश के अनुसार अतिआवश्यक सेवा के अंतर्गत आने वाले प्रतिष्ठान सोमवार से शुक्रवार तक सुबह ७ बजे से रात ८ बजे तक तथा शनिवार व रविवार को ७ से दोपहर ३ बजे तक शुरु रहेंगे। अन्य प्रतिष्ठान जो अत्यावश्यक सेवा के अंतर्गत नहीं आते वे रविवार को पूर्ण रुप से बंद रहेंगे। इसके अलावा सभी सार्वजनिक उद्यान, खेलों के मैदान, व्यायामशाला, साइकिलिंग आदि पूर्ण रुप से शुरु रहेंगे।

भीड़ का नियोजन करते हुए सभी शासकीय, अर्ध शासकीय व निजी कार्यालय शत प्रतिशत क्षमता के साथ शुरु रहेंगे। जो वर्क फ्राम होम कर रहें हैं वे भी इसी प्रकार शुरु रहेंगे। सभी कृषि संबंधित प्रतिष्ठान, निर्माण संबंधित कार्य, औद्योगिक उपक्रम, मालवाहक यातायात पूरी क्षमता के साथ शुरु रहेंगे।

व्यायामशाला, योग केंद्र, केस कर्तनालय, सलून, ब्यूटी पार्लर में एसी का उपयोग नहीं किया जाएगा तथा वे ५० प्रतिशत क्षमता के साथ सोम से शुक्रवार रात ८ बजे तक तथा शनिवार को ३ बजे तक शुरु तथा रविवार को पूर्ण बंद रहेंगे। सभी सिनेमागृह, नाट्यगृह, मल्टीप्लेक्स आदि स्थान आगामी आदेश तक बंद रहेंगे। धार्मिक स्थल आगामी आदेश तक बंद रहेंगे। राज्य शिक्षा विभाग, उच्च तकनीकी विभाग के आदेश शाला तथा महाविद्यालय के लिए लागू रहेंगे।

सभी रेस्टोरेंट, होटल, भोजनालय सोमवार से शुक्रवार सुबह ७ से ४ बजे तक ५० प्रतिशत क्षमता के साथ तथा इसके पश्चात होम डिलीवरी दे सकते हैं। शनिवार व रविवार को सिर्फ घर पहुंच सेवा शुरु रहेंगी। इस दौरान सप्ताह के सभी दिन रात ९ बजे से सुबह ५ बजे तक संचार बंदी लागू रहेंगी।

भीड़ को कम करने के लिए जन्मदिन, राजकिय कार्यक्रम, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम, चुनावी सभा, प्रचार रैली, निषेध मोर्चा आदि पर प्रतिबंध रहेगा। शुरु रहने वाले प्रतिष्ठानों में मास्क का उपयोग, प्रवेशद्वार पर हैंडवास, सैनिटाइजर व सामाजिक अंतर का कड़ाई से पालन करना आवश्यक है।

उपरोक्त आदेश का पालन ना करने वाले तथा उल्लंघन करने वाले व्यक्ति, संस्था अथवा समूह पर साथरोग प्रतिबंधक कानून १८९७ तथा आपदा व्यवस्थापन प्राधिकरण अधिनियम २००५ व भारतीय दंड संहिता १८६० के अनुसार कार्यवाही की जाएगी।

बारव्हा में सैकड़ों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में रास्ता रोको आंदोलन

दहेगांव की कायनाईट खदान शुरु होने तक जारी रहेंगी लड़ाई – पूर्व विधायक राजेंद्र जैन

गोंदिया – भंडारा जिले के लाखांदुर तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम दहेगांव की कायनाईट खदान गत ३० वर्षों से बंद है। जिससे परिसर के ३००० लोगों पर बेरोजगारी व भूखमरी का संकट निर्माण हो गया है। खदान शुरु करने की मांग को लेकर तहसील राष्ट्रवादी कांग्रेस के माध्यम से पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष नाना पंचबुद्धे व तहसील अध्यक्ष बालु चन्ने के नेतृत्व में २९ जुलाई को बारव्हा टी पॉईंट पर चक्का जाम आंदोलन कर जनाक्रोश मोर्चे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बारव्हा मैदान परिसर में सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। आंदोलन की शुरुआत डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा को माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर महासचिव धनंजय दलाल बीडीसीसी बैंक के अध्यक्ष सुनील फुंडे, विजय सावरबांधे, हेमकृष्ण वाडीभस्मे की उपस्थिति में आंदोलन शुरु किया गया। आंदोलन स्थल पर ही सभा आयोजित की गई। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने संबोधन करते हुए कहा कि दहेगांव खदान को शुरु करने के लिए एकजुट होकर लड़ाई की जाएंगी। कायनाईट खदान शुरु करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मंजूरी दी जाए। जिससे क्षेत्र के ३००० नागरिकों के बेरोजगारी का प्रश्न हल हो सकेगा। लेकिन इस ओर केंद्र सरकार द्वारा आंख बंद की गई है। केंद्र की आंख खोलने के लिए यह आंदोलन किया गया है। यदि केंद्र सरकार द्वारा जल्द से जल्द इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आगामी समय में सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व में तीव्र आंदोलन कर खदान शुरु करने की मांग की जाएंगी। उपरोक्त समस्या को हल करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष निरंतर प्रयत्नशील है। जब तक खदान शुरु नहीं होती, बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल पाता, तब तक राष्ट्रवादी के नेता शांत नहीं बैठेंगे।

इस अवसर पर अन्य वरिष्ठों द्वारा मार्गदर्शन किया गया। जिसके पश्चात जिला खनिकर्म विभाग के अधिकारी गजभिए, तहसीलदार अखिल भारत मेश्राम, नायब तहसीलदार देवीदास पाथोड़े के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम निवेदन देकर खदान शुरु करने की मांग की गई।

अनुसूचित जमाती के किसान खेत तालाब का ले लाभ -मंगेश वावधने

गोंदिया – आदिवासी किसानों को फसल लगाने के लिए अधिक से अधिक क्षेत्र सिंचाई के अंतर्गत आए तथा फलों के झाड़, सब्जी-भाजी जैसी नगद फसलें अधिक उगाई जाए, जिसमें आदिवासी किसानों का आर्थिक स्तर व जीवन स्तर को बढ़ाने के लिए खेत तालाब जो २० बास २० तथा ३ मीटर गहरा खोदकर प्लास्टिक की स्तर सहित योजना का लाभ लेने का आवाहन देवरी उपविभागीय कृषि अधिकारी मंगेश वावधने द्वारा किया गया है। उपरोक्त योजना के नियम व शर्तें के अनुसार आदिवासी लाभार्थी किसान के पास कम से कम एक हेक्टर कृषि भूमि होना आवश्यक है। लाभार्थी की कृषि भूमि का सातबारा व गाव नमुना ८ लाभार्थी के नाम होना चाहिए। अनुसूचित जमाती की दरिद्र रेखा के नीचे होने के साथ ही आदिम जमाती, विधवा महिला, परित्यक्ता महिला इन्हें प्रमुखता दी जाएंगी एवं दिव्यांग लाभार्थियों को ३ प्रतिशत आरक्षण के अनुसार प्राथमिकता दी जाएंगी। जिसके लिए लाभार्थी को निवासी प्रमाणपत्र, दरिद्र रेखा प्रमाणपत्र, जाति प्रमाणपत्र तथा इसके पूर्व उपरोक्त योजना का लाभ आदिवासी विभाग अथवा अन्य विभाग के माध्यम से नहीं लिए जाने का प्रमाणपत्र देना बंधनकारक होगा। आवेदन के साथ २ पासपोर्ट फोटो तथा योजना के अंतर्गत मिलने वाली साहित्य लाभार्थी द्वारा बिक्री हस्तांतरित नहीं की जा सकती। खेत तालाब का साइज २० बाय २० तथा ३ मीटर गहरा व लाभार्थी किसान द्वारा काम पूर्ण किए जाने पर प्रचलित पद्धति से जांच कर अनुदान जिसकी अंदाजन राशि १२३९२२ रुपए राष्ट्रीयकृत बैंक के खाते में लाभार्थी के नाम से जमा की जाएंगी। उपरोक्त योजना का लाभ लेने के लिए समीप के कृषि विभाग के कर्मचारी, कृषि सहायक, कृषि पर्यवेक्षक, मंडल कृषि अधिकारी, तहसील कृषि अधिकारी व उपविभागीय कृषी अधिकारी के समक्ष १५ अगस्त २०२१ के पूर्व संपर्क करना होगा। ऐसा आवाहन उपविभागीय कृषी अधिकारी वावधने द्वारा किया गया है।

जनता का सेवक हुँ, सेवा करना ही मेरी प्राथमिकता - विधायक विनोद अग्रवाल

अग्रवाल ने कहा श्रेय लेने से नही बल्कि, जनहित के कार्यों से है मेरी पहचान

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय, कर्तव्य निष्ठ विधायक विनोद अग्रवाल यह जनता के सेवक माने जाते हैं। जनता की हर समस्याओं का निराकरण करना ही उनकी पहली प्राथमिकता रहती है। उन्होंने अपने राजकीय जीवन में अनेक बेसहारा, वंचितों को सहारा देकर उनका आधार बनने का कार्य किया है। सदैव जनता के साथ रहकर उनके दिल में अपनी जगह बनाई। चुनाव पूर्व ही विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की नींव रखी थी। शपथग्रहण करने के दिन से ही उन्होंने अनेक एतिहासिक कार्य अपने विधानसभा क्षेत्र के साथ ही संपूर्ण गोंदिया जिले के हित में किया। जिले की और विधानसभा की जनता के लिए उन्होंने सर्वाधिक प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत घरकुल मंजूर करवाए। आवास योजना के लाभार्थियो के लिए ५ ब्रास रेती मुफ्त में उपलब्ध करवाया, विधान सभा क्षेत्र में अच्छे सड़कों का निर्माण, साथ ही प्रधान्य कुटुंब योजना के तहत हजारों परिवार को राशन दिलाने का कार्य, संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य में पंचायत समिती स्तर पर मिल रहे बीपीएल के दाखले को ग्राम पंचायतस्तर पर मिलने के लिए ग्राम विकास मंत्री से भेट लेकर मुद्दे का निवारण किया।

ओबीसी की जनगणना का रखा था मुद्दा

ओबीसी की जनगणना होनी चाहिए, इसके लिए उन्होंने विधानसभा में मुद्दा रखा। साथ ही हाल ही में विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयत्न से अनेक मार्गों का लोकार्पण और भूमिपूजन संपन्न हुआ। १५ वर्षों से प्रलंबित ७/१२ ऑनलाइन के प्रकरण को अंजाम दिया। पांदन रस्ता ऐसे अनेक कार्य विधायक विनोद अग्रवाल ने अपने ५ वर्ष के अल्प कार्यकाल में विधायक विनोद अग्रवाल ने कोरोना के विकट परिस्थितियों में भी देवदूत की तरह काम कर गोंदिया के अनेक लोगों की जान बचाई। साथ ही विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यालय से प्लाजमा, रक्त, बेड, इंजेक्शन ऐसी अन्य सुविधाओं के लिए निरंतर मदद की गई। विधायक विनोद अग्रवाल के द्वारा मरीजो को मुफ्त में इलाज हेतु उनकी मदद, योग्य उपचार ऐसे अन्य मेडिकल से संबधित विषयों के लिए भी उनका सेवा कार्य जारी है।

विधायक निधी से ८४ बोरवेल

अनेक नागरिकों को पानी की समस्या हो रही, ऐसी भी समस्याएं विधायक विनोद अग्रवाल तक पहुंची। जिसके लिए उन्होंने अपनी विधायक निधी से संपूर्ण गोंदिया विधानसभा में ८४ बोरवेल मंजूर करवाया। जिसमे बेलटोला (निलज), निलज, आवरीटोला (गुदमा), गुदमा, अदासी, पोवारीटोला, लोहारा, ढीवरटोला (डांगोरली), सालईटोला (निलागोंदी), निलागोंदी, मुंडीपार खुर्द, सोनबिहरी., रायपुर, इंदिरानगर (सेंदरीटोला), इंदिरानगर (पिंडकेपार), घिवारी, गोंडीटोला (घिवारी), कारंजा, रतनारा, सोनियाटोली (रतनारा), कुडवा (खापर्डे कॉलोनी), सतोनाटोली, कटंगीकला, कन्हारटोला (लहिटोला), गर्रा (बु), पांढराबोड़ी, परसवाडा, कामठाटोली, कामठा, कारुटोला (चंगेरा), जगनटोला (बनाथर), धामनगांव, चुटिया, गोंडीटोला (आसोली), बरबसपूरा, काटी, बाजारटोला (काटी), चुलोद, तांडाटोली (खमारी), ढाकणी, दासगांव खुर्द, बटाना, हिवरा (स्कुलटोली), गर्रा खुर्द, कोचेवाही, रापेवाडा, सिवनीटोला, छिपिया, मोरवाही, खातिया, बनाथर, तांडा (माड़ादेवटोली), कासा (ढीमरटोली), दासगांव (बु), धामणगांव, बिरसोला, रावणवाड़ी, आंभोरा, पांढराबोडी, चारगांव आदि गांवो में खुदाई होकर नागरिको की पानी की समस्या दूर हुई। साथ ही विधायक निधी से अति आवश्यक होनेवाली जैसे की नागरिको को सड़को की समस्या, पानी की समस्या, मुलभुत आवश्यकता के अनुसार ऐसे आवश्यक कार्यों के लिए उन्होंने जनहित के कार्यों के लिए जनता की सेवा में समर्पित किया। २५-१५ योजना अंतर्गत, ३०५४, ५०५४ जन सुविधा, नागरी सुविधा ऐसे अन्य योजनाओं के माध्यम से अच्छे सड़को का निर्माण, समाज मंदिर निर्माण, नाली बांधकाम, सभामंडप बांधकाम, गट्टू लगाना, सौंदर्यीकरण जैसे अनेक विकास कार्यों के लिए उन्होंने विधानसभा स्तर पर जाकर निधी लाने का कार्य लगातार कर रहे है। अनेक बार मुंबई जाकर सामाजिक, संगठन, संघटनाओ की समस्या जैसी अनेक समस्याओं को लेकर विधानसभा में रखने का कार्य वह जनहित के लिए कर रहे है।

अन्नाभाऊ साठे शिष्यवृत्ति योजना १० अगस्त तक करें आवेदन

गोंदिया – साहित्य रत्न लोक शाहीर अण्णाभाऊ साठे विकास महामंडल गोंदिया द्वारा वर्ष २०२१- २२ के लिए अन्नाभाऊ साठे शिष्यवृत्ति योजना के आवेदन मंगाए गए हैं। महामंडल की इस योजना के अंतर्गत मांग, मातंग मांग, मांग गारुडी व अन्य १२ पोट जाति अंतर्गत अनुसूचित जाति के लिए १०वीं, १२वीं, पदवी, पदवीउत्तर, वैद्यकीय व अभियांत्रिकी परीक्षा में ६० प्रतिशत अथवा अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी को उपरोक्त शिष्यवृत्ति योजना के अंतर्गत महामंडल के नियम के अधीन रहकर शिष्यवृत्ति दी जाती है। उपरोक्त आवेदन के साथ जाति प्रमाणपत्र, अंक पत्रिका, स्कूल प्रमाणपत्र, उत्पन्न प्रमाणपत्र, राशन कार्ड, दो फोटो, बोनाफाइड सर्टिफिकेट, मोबाइल नंबर सहित जिला व्यवस्थापक साहित्य रत्न लोकशाहिर अन्नाभाऊ साठे विकास महामंडल जिलाधिकारी कार्यालय के पीछे में १० अगस्त २०२१ तक आवेदन करें। ऐसा लोक शाहिर अन्नाभाऊ साठे विकास महामंडल के जिला व्यवस्थापक द्वारा आवाहन किया गया है।

महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गुमशुदा बैग जीआरपी ने तलाश कर किया महिला के सुपुर्द

गोंदिया – जनशताब्दी एक्सप्रेस में रायपुर से गोंदिया तक की यात्रा कर रही रायपुर निवासी महिला मनमीत कौर का महत्वपूर्ण दस्तावेजों का बैग ट्रेन में छूट गया था। ट्रेन से उतरकर घर पहुंचने पर बैग गुम होने का पता चलते ही इसकी सूचना गोंदिया रेलवे पुलिस को दी गई। जिसके पश्चात जीआरपी द्वारा ट्रेन से बैग की तलाश कर महिला को सुपुर्द किया गया।

उल्लेखनीय है कि २७ जुलाई से ४ अगस्त तक चल रहे नक्सल शहीद सप्ताह के चलते रेलवे पुलिस बल सुरक्षा में लगी हुई है। पुलिस उपनिरीक्षक प्रवीण भिमटे रेलवे स्टेशन सालेकसा व दरेकसा में ड्यूटी पर तैनात थे। बैग गुमशुदगी की जानकारी प्राप्त होते ही बैग की तलाश की गयी। किंतु तब तक ट्रेन रायगढ़ के लिए रवाना हो चुकी थी। फिर भी स्टाफ की सहायता से बैग को डोगरगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से बरामद किया गया। जिसे वापस लाकर प्रवासी महिला की पहचान कर महत्वपूर्ण दस्तावेजों का बैग सुपुर्द किया गया। इस पर महिला द्वारा गोदिया रेलवे पुलिस का तहेदिल से आभार व्यक्त किया गया। उपरोक्त कार्रवाई गोंदिया रेलवे पुलिस बल की प्रभारी अधिकारी अनीता खेड़कर के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक प्रवीण भिमटे व उनके सहयोगियों द्वारा की गई।

संक्षिप्त समाचार

कार की टक्कर दुपहिया वाहन चालक जख्मी

तिरोडा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले नीमगांव निवासी अशोक भैयालाल फरकुंडे (३५) अपनी दुपहिया वाहन क्रमांक एमएच ३५ एल ७४९८ से जा रहा था। इसी दौरान फोर व्हीलर वाहन क्रमांक एमएच ३५ एजी ०९३३ के चालक ने लापरवाही पूर्ण तरीके से चलाते हुए उसे जबरदस्त टक्कर मार दी, जिसमें वह जख्मी हो गया। उपरोक्त मामले में इंदौरा निवासी राजू तिलकचंद सुरसाऊत की शिकायत पर तिरोड़ा पुलिस थाने में भादवी की धारा २७९, ३३७ सहायक धारा १८४ मौवाका के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच नापोशि बरवैया द्वारा की जा रही है।

रेल की टक्कर १ की मौत

अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले अर्जुनी मोरगांव निवासी सुनील मधुकर नेवारे (४५) यह गत २ वर्षों से मिर्गी की बीमारी से ग्रस्त था। वह ३१ जुलाई को शौच के लिए जाने के लिए घर से निकला तथा रेलवे पटरी पर जाते समय रेल की टक्कर से गंभीर रुप से जख्मी हो गया। जिसे उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अर्जुनी मोरगांव ले जाया गया। जहां चिकित्सक द्वारा जांच किए जाने पर उसे मृत घोषित किया गया। उपरोक्त प्रकरण में फरियादी दिलीप मधुकर नेवारे की मौखिक शिकायत व चिकित्सा अहवाल के आधार पर अर्जुनी मोरगांव पुलिस थाने में आकस्मिक मौत की धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा मडावी द्वारा की जा रही है।

कुल्हाड़ी से वार कर किया जख्मी

गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम ईर्री निवासी फरियादी सोहनलाल अनंतराम मेंढे व अनिरुद्ध अनंतराम मेंढे पर दो आरोपियों द्वारा कुल्हाड़ी व फावड़े से वार कर गंभीर रुप से जख्मी कर दिया। पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अपने खेत में धान की बुआई करने गया था। इसी दौरान आरोपी क्रमांक १ व २ द्वारा आपसी सांठगांठ कर बुआई कर विवाद करते हुए आरोपी क्रमांक १ ने कहा कि यह जगह हमारी है। इस जगह तुम बुआई क्यों कर रहे हो, ऐसा बोलते हुए कुल्हाड़ी व फावड़े से सिर व चेहरे पर वार कर जख्मी कर दिया। आरोपी क्रमांक २ द्वारा फरियादी की कॉलर पकड़कर जमीन पर पटक दिया, जिससे फरियादी की पीठ पर गंभीर चोट लगी। उपरोक्त मामले में फरियादी सोहनलाल की मौखिक शिकायत तथा चिकित्सा अहवाल के आधार पर गोंदिया ग्रामीण पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवि की धारा ३२६, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोउपनि तिवारी द्वारा की जा रही है।

जहर गटककर की आत्महत्या

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पांडरवानी निवासी राकेश जीवनलाल टेंभरे (३२) ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिसे उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजेपार ले जाया गया। लेकिन स्थिति चिंताजनक होने पर उसे आगे के उपचार के लिए गोंदिया के जिला शासकीय चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उपरोक्त प्रकरण में सालेकसा पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोना महबूब सैयद द्वारा की जा रही है।

पुरुषोत्तम मेंढे का सेवानिवृत्ति पर सत्कार

सड़क अर्जुनी वन परीक्षेत्र कार्यालय के अंतर्गत आने वाले सहायक वन परीक्षेत्र कार्यालय सौंदड के सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी पुरुषोत्तम मेंढे का सेवानिवृत्ति पर सत्कार किया गया। मेंढे ने ३८ वर्षों तक वन विभाग में सेवा दी तथा वे जिले के ककोड़ी, चीचगढ़, गोंदिया, सड़क अर्जुनी, लाखादुर, भंडारा आदि स्थानों पर कार्यरत रहकर वन विभाग में वनरक्षक से वनपाल तक के पद पर कार्य किया है। उनके सत्कार समारोह के अवसर पर कोहमारा के क्षेत्र सहायक नरेंद्र वाढई, रेंगेपार के क्षेत्र सहायक संतोष घुगे, माया मेंढे, गायत्री मेंढे, पूर्वाश मेंडे, वनरक्षक मंजूषा पटले, श्याम वालोंडे, विजय कागदी मेश्राम, नेपाल पंचभाई, महेश तिरपुड़े, बिंदु राहंगडाले, दुर्गा आंगड़े, दिगंबर भंडारकर, आदि कर्मचारी उपस्थित थे। सेवानिवृत्ति पर मेंढे का शाल-श्रीफल देकर सत्कार किया गया। कार्यक्रम का संचालन व आभार विशाल गौतम ने किया।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

मिलावटी डीजल तैयार करने के कारखाने पर तिरोडा पुलिस की कार्रवाई

गोंदिया - बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दामों को देखते हुए इससे अधिक मुनाफा कमाने के लिये कुछ कालाबाजारी करने वाले लोग बनावटी व मिलावटी डीजल तैयार कर मार्केट में बेचने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे ही एक मामले में तिरोडा पुलिस ने एक घर के भीतर चोरी छुपे चल रहे अवैध कारखाने पर छापा मारकर बनावटी डीजल व उसके लिए लगने वाले साहित्य को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। तिरोडा पुलिस ने ये कार्रवाई अन्न आपूर्ति अधिकारी के साथ मिलकर २८ जुलाई की दोपहर के दौरान तिरोडा के बिरसी नाले के समीप एक घर में की। पुलिस टीम ने छापे के दौरान २५ हजार २५५ रुपये मूल्य का मिलावटी डीजल, रॉकेल, थीनर व अन्य सामग्री जब्त की।

तिरोडा पुलिस को जानकारी मिली थी कि बिरसी नाले के समीप आरोपी द्वारा अवैध तरीके से मिलावट कर बनावटी डीजल बनाया जा रहा है। इस गोपनीय सूचना के आधार पर तिरोडा पुलिस ने अन्न आपूर्ति अधिकारी को लेकर वहां दबीश दी व छापामार कार्रवाई कर बनावटी डीजल सहित अन्य सामग्री जब्त की। पुलिस टीम ने छापेमारी के दौरान अनेक ड्रमों में भरे १७५ लीटर डीजल किंमत १६ हजार ९७५, केरोसिन १५ लीटर किंमत ४८० रुपये, ४० लीटर थीनर किंमत ४ हजार रुपये, खाली प्लास्टिक ड्रम, मग, माप, पाईप व अन्य सामग्री ऐसे कुल २५ हजार २५५ का माल जब्त किया। पुलिस ने आरोपी टीकेशकुमार शिवप्रसाद प्रजापती को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा ३, ७ जीवनावश्यक वस्तु अधिनियम १९५५ के तहत मामला दर्ज किया। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, एसडीपीओ नितिन के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक योगेश पारधी, सहायक पुलिस निरीक्षक अभिजित जोगदंड, पुलीस नाईक थेर, सवालाखे, अंबुले, भैरम आदि ने की।

नवरगांव की पुलिस पाटील को पद मुक्त करने की मांग

शासन को अंधेरे में रख तीन संतानों के बावजूद पद पर कायम

गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम नवरगांव की पोलीस पाटील कविता विजेंद्र डहाट द्वारा शासन के नियमों का उल्लंघन कर तीन संतान होने के बावजूद पद पर कायम है। इसके लिए ग्रामवासियों द्वारा उसे तत्काल पद मुक्त करने की मांग प्रशासन से की है।

गौरतलब है कि शासन के विभिन्न पदों पर २ से अधिक संतान होने पर नियुक्ति नहीं हो सकती। ग्राम नवरगांव की पुलिस पाटिल जिसकी नियुक्ति २०११ में की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार नियुक्ति के समय दिए गए शपथपत्र में गलत जानकारी देकर शासन के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप ग्रामवासियों द्वारा लगाया गया है। कविता डहाट की पहली संतान क्षितिज विजेंद्र डहट जन्म तारीख १०-२-२००५, दूसरी संतान अथांग विजेंद्र डहाट ११-१-२००८ तथा तीसरी संतान मैथिली डाहट १५-१२-२०११ है। तीन संतान होने के बावजूद शपथपत्र में दो संतान दिखाकर शासन के साथ दिशा भूल की है। साथ ही एक संतान दत्तक दिए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। लेकिन इसकी जानकारी शासन को नहीं दी गयी। ग्राम पंचायत के जन्म-मृत्यु अभिलेख में तीनों संतान का पंजीयन है। उपरोक्त प्रकरण में ग्रामवासियों द्वारा प्रशासन से योग्य जांच कर उन्हें तत्काल पदमुक्त करने के लिए अनेकों बार उपविभागीय अधिकारी व तहसीलदार को शिकायत की गई है। उपरोक्त प्रकरण पर जल्द से जल्द कार्यवाही ना होने पर ग्रामवासियों ने आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

तिगांव मार्ग पर पड़े गड्ढों से राहगिरों के जीवन को खतरा

कब खुलेगी जनप्रतिनिधि व अधिकारीयों की नींद, सांसद अशोक नेते हो गये लापता

इसुलाल भालेकर, आमगांव – गोंदिया जिला परिषद सार्वजनिक बांधकाम विभाग के अंतर्गत आने वाले आमगांव-तिगांव मार्ग पर स्थित कुंभारटोली, बिरसी एवं जामखारी के बीच मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढों से राहगिरो को आवागमन करने खतरा महसुस होने लगा है। बताया जा रहा है कि तहसील एवं ग्रामिण क्षेत्र का मेन मार्ग होने से इस मार्ग से तुमसर, चोपा, तेढा, माड़ोदेवी आदि स्थानो के लिए आवागमन करने वालों की तादाद काफी ज्यादा है तथा इस मार्ग पर छोटे से लेकर बड़े-बड़े वाहन आवागमन करते है। मार्ग पर स्थित गड्ढों से कई वाहन एवं बाईक दुर्घटनाग्रस्त हो गयी है। बता दे कि तिगांव मार्ग पर कुंभारटोली के रेल्वे फाटक एवं नहर के समीप बीच मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढें हो गये हैं। इन गड्ढों से बचने वाहन चालकों को भारी कसरत करने पड़ती है। फिर भी दुर्घटना घटित हो जाती है। यह मार्ग स्थानीय सार्वजनिक बांधकाम उप विभाग जि.प. के अंतर्गत आता है। पिछले दो वर्ष से मार्ग की हालत गंभीर है लेकिन अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि ध्यान न देकर गड्ढों की मरम्मत कराने में निष्क्रियता बरत रहे हैं। क्योंकि वो कुंभकर्णी नींद में सोये हुए है।

गढ़चिरोली-चिमुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अशोक नेते के दर्शन दुर्लभ हो गये है। अशोक नेते ने पिछले सात वर्ष में अपना चेहरा क्षेत्र के जनता को नहीं दिखाया है। ना ही अपने सांसद निधी से तहसील में कोई विकास कार्य को अंजाम दिया है। कोविड-१९ का बहाना है। सासंद नेते को अब चुनाव नही लड़ना है। यही वजह है कि

सांसद अशोक नेते अपना मुंह जनता को नहीं दिखा रहे है। ऐसी चर्चा परिसर मे चल रही है। लेकिन जनता कह रही है २०२४ के पश्चात चुना लड़ो या मत लडो, तिगांव मार्ग की मरम्मत के लिए तो निधी उपलब्ध कराकर जनता की समस्या को हल करे।

पालंदुर/जमींदार क्षेत्र में इंटरनेट सेवा सहित मोबाइल सेवा निरंतर बंद

नागरिकों को आपातकालीन सेवाओं व विद्यार्थियों को शिक्षा में हो कठिनाईयां

देवेंद्र सेलोकर देवरी – विज्ञान व तकनीकी की प्रगति होने के बावजूद आज भी ग्रामीण क्षेत्रों सहित गांव देहातों व आदिवासी क्षेत्रों में अब तक आधुनिक तकनीकी नहीं पहुंचने की परिस्थिति दिखाई दे रही है। गोंदिया जिले के देवरी तहसील के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्रामों के साथ-साथ पालंदुर/जमींदार ग्राम में वर्तमान स्थिति में मोबाइल नेटवर्क की समस्या गंभीर हो चुकी है। गत अनेक दिनों से बीएसएनएल व अन्य मोबाइल नेटवर्क कंपनी ठप हो चुकी है। जिसके चलते नेटवर्क सुविधा बंद रहने से ग्रामीणों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। जिसमें आपातकालीन सेवा के साथ-साथ ऑनलाइन शिक्षा ले रहे विद्यार्थी काफी परेशान हो रहे हैं।

प्रशासन करें उपाय योजना

तहसील पशासन द्वारा इस संदर्भ में उपाय योजना करने के साथ ही संबंधित कंपनियों को आदेश नहीं दिया जाता है। जिसके चलते ग्रामों व ग्राम परिसर के नागरिकों में नाराजगी के स्वर दिखाई दे रहे हैं। देवरी तहसील

यह आदिवासी बहुल क्षेत्र के रुप में जाना जाता है। जिसमें दुर्गम क्षेत्र के साथ वन क्षेत्र बड़े प्रमाण पर हैं। यहां की बस्तियों में नागरिक निवास करते हैं। आज भी तहसील के सैकड़ों ग्रामों में हजारों नागरिक नेटवर्क की समस्या से परेशान हो चुके हैं।

एंड्राइड मोबाइल बना शो पीस

एंड्राइड मोबाइल के जमाने नेटवर्क की समस्या बनी रहने से नागरिकों के महंगे-महंगे एंड्राइड मोबाइल फोन सिर्फ शो पीस बन गये हे हैं। तहसील के दुर्गम क्षेत्रों में बीएसएनएल को छोड़कर अन्य कोई भी कंपनी के टावर व नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध ना होने से नागरिकों को अनेक समस्या का सामना करना पड़ता है।

ऑनलाइन शिक्षा में परेशानी

देवरी तहसील के साथ-साथ पालंदुर/जमींदार क्षेत्र में मोबाइल टावर नहीं होने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान परिस्थिति में विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा दी जा रही है। लेकिन वह इस शिक्षा से वंचित होने के साथ ही ऑनलाइन परीक्षा किस प्रकार दें यह प्रश्न विद्यार्थियों के सामने निर्माण हो रहा है। इस गंभीर समस्या का मार्ग प्रशासन द्वारा तत्काल निकाला जाए ऐसी मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से की है।

सेवा नियमित करने की मांग

मरीजों या दुर्घटनाग्रस्त को ले जाने के लिए एंबुलेंस या वाहनों को बुलाना भी कठिन हो रहा है। साथ ही कभी महत्वपूर्ण तथा तत्काल सूचना देने के लिए भी नागरिकों का समय पैसा अधिक खर्च हो रहा है। इसके चलते दुर्गम क्षेत्र में बीएसएनएल की नेटवर्क सेवा नियमित करने की मांग राष्ट्रवादी कांग्रेस पक्ष की कार्यकर्ता आरती जांगड़े द्वारा की गई है।

प्रलंबित विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के होंगे प्रयत्न - पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल

संवाददाता कामठा – गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कामठा में १० लाख रुपए लागत की निधि से निर्मित दलित समाज भवन एवं जिप सदस्य विजय लोणारे की विकास निधि से निर्मित बुद्ध विहार चावड़ी का लोकार्पण पूर्व विधायक गोपालदास के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास की प्रलंबित योजनाओं के क्रियान्वयन के प्रयास निरंतर किए जाएंगे तथा कामठा में निर्मित दलित सामुदायिक भवन के निर्माण पर ग्राम के संपूर्ण दलित समाज को बधाई दी। सामुदायिक भवन के माध्यम से समाज में नई एकता एवं ऊर्जा के निर्माण के लिए शुभकामनाएं दी। आगे उन्होंने कहा कि चुनाव हारने से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के लिए जो विकास योजनाएं चल रही थी, उन्हें पूर्ण करने के लिए वर्तमान जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है। वह केवल गंदी राजनीति, ठेकेदारी व वसूली में व्यस्त हैं। दुख की बात है कि गोंदिया विधानसभा क्षेत्र जो गोंदिया जिले में विकास के मामले में नंबर वन कहलाता था, आज पिछड़ रहा है। शासकीय धान खरीदी केंद्रों में किसानों से ५० रु. क्विंटल की वसूली की जा रही है। जनप्रतिनिधि, अधिकारी किसानों की मेहनत का पैसा खा रहे हैं। ग्रामों में स्ट्रीट लाइट की बिजली कट रही है, सड़कों की हालत बदतर हो चुकी, लेकिन विकास की ओर किसी का ध्यान नहीं है। गत २ वर्षों में विधानसभा क्षेत्र के लिए एक भी नई विकास योजना नहीं आई तथा युवाओं के लिए शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में नए कोर्स शुरु करने, बांध सिंचन प्रकल्प की सभी नहरों के सीमेंटीकरण करने, रावणवाड़ी, कामठा, आमगांव मार्ग के चौड़ाईकरण एवं नवनिर्माण जैसी अनेक विकास योजनाओं के लिए हमने शासन से मंजूरी ली। लेकिन उन कार्यों को आगे कोई दिशा नहीं मिली। भले ही हम चुनाव हार गए हो किंतु क्षेत्र के नागरिकों से जो संबंध और प्रेम बना है निश्चित रुप से इन सभी विकास योजनाओं को आगामी तीन-चार माह में गति से क्रियान्वित किए जाने की दिशा में प्रयत्न किए जाएंगे।

आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख रुप से माधुरी हरिनखेडे, विजय लोनारे, टीकाराम भाजीपाले गोपालबाबा खरखाटे, दिनेश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सत्यम बहेकार, हुकुमचंद नागपुरे, कल्पना खरखाटे, किशोर तावडे, लक्ष्मण तावडे, इंदु वंजारी, योगराज ठाकरे सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक व भाजपा के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित थे।

गुमशुदा व चाइल्ड ट्रेकिंग के शिकार बच्चों की करें सुरक्षा

गोंदिया – गोंदिया रेलवे स्टेशन पर मंडल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल के पंकज चुघ के नेतृत्व में चाइल्ड केयर एंड प्रोटेक्शन सेमिनार का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि कोविड-१९ के दौरान अनाथ बच्चों, प्लेटफार्म पर विचरण करने वाले बच्चे, गुमशुदा व अनाथ बच्चों सहित चाइल्ड ट्रैकिंग के शिकार हुए बच्चों के संदर्भ में विशेष सुरक्षा व जांच अभियान चलाया जाए। साथ ही बच्चों की सुरक्षा के संदर्भ में चाइल्ड केयर एंड प्रोटेक्शन के तहत जारी एसओपी के अनुसार सभी को जनजागृति कर जानकारी दी गई। साथ ही रेलवे परिसर में ऐसे बच्चे पाए जाने पर नियमानुसार

कार्यवाही के संदर्भ में विस्तृत चर्चा कर कर्तव्य व कार्रवाई के संदर्भ में जानकारी दी गई।

उपरोक्त सेमिनार के आयोजन में रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक एस.दत्ता, उपनिरीक्षक ऊषा बिसेन व कर्मचारी, स्टेशन प्रबंधक, सीडब्ल्यूसी की अध्यक्ष संगीता घोष, एनजीओ चाइल्ड केयर के विशाल व कर्मचारी, महिला बाल विकास जिला चाइल्ड केयर प्रोडक्शन युनिट के इंचार्ज गजानन गोगाड़े व कर्मचारी तथा रेलवे स्टेशन गोंदिया में कार्य करने वाले कुली, स्टाल, सफाई कर्मचारी एवं ऑटोचालक उपस्थित थे। कार्यक्रम कोरोना के नियमों का पालन कर आयोजित किया गया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।